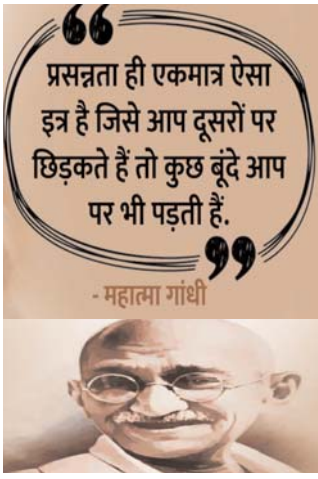




क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा

वर्ष-32 अंक-213

नर्मदापुरम् (होशंगाबाद) शनिवार 03 अक्टूबर 2026

पृष्ठ-8 मूल्य -1 रुपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

पंजाब के तरन तारन में 2 पाकिस्तानी घुसपैठियों को बीएसएफ ने ढेर किया



तरनतारन (आरएनएस)। पंजाब के तरनतारन जिले में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर घुसपैठ की कोशिश को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने नाकाम कर दिया। राजोके सीमा चौकी के पास शुक्रवार तड़के भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने की कथित कोशिश कर रहे दो संदिग्ध पाकिस्तानी नागरिकों को सुरक्षा बलों ने गोलीबारी में मार गिराया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, सीमा पार से कुछ संदिग्ध लोगों की गतिविधि दिखाई देने पर जवानों ने उन्हें रुकने की चेतावनी दी थी, लेकिन वे भारतीय क्षेत्र की ओर बढ़ते रहे। इसके बाद बीएसएफ जवानों ने गोलीबारी की, जिसमें दो लोग मारे गए। सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान की ओर स्थित चट्टनवाला क्षेत्र से कम से कम तीन संदिग्ध लोग भारतीय सीमा की ओर बढ़ रहे थे। बीएसएफ जवानों ने उनकी गतिविधि को देखते हुए उन्हें चुनौती दी और वापस लौटने की चेतावनी दी।

दर्दनाक हादसा : मां दुर्गा की मूर्ति लेकर जा रही पिकअप को ट्रक ने मारी टक्कर; सात की मौत, 21 घायल



मुंबई, (आरएनएस)। महाराष्ट्र के अमरावती जिले में समृद्धि महामार्ग पर शुक्रवार सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। शेगांव से मां दुर्गा की मूर्ति लेकर वर्धा जा रही श्रद्धालुओं से भरी पिकअप वैन को एक ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि 21 लोग घायल हुए हैं। घायलों में चार से पांच

टक्कर इतनी भीषण थी कि पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि इलाज के दौरान दो अन्य घायलों ने दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही धामणगांव रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय नागरिकों और पत्रकारों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को तत्काल धामणगांव ग्रामीण अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के मुताबिक, चार से पांच घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है, जबकि 14 से 15 लोगों को मामूली चोटें आई हैं और उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। हादसे की जानकारी मिलते ही अमरावती ग्रामीण के एसपी निकेतन कदम और धामणगांव की नगराध्यक्ष अर्चना रोटे भी अस्पताल पहुंचीं और घायलों का हाल जाना। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई और इसके पीछे क्या कारण रहा, इसकी जांच की जा रही है। समृद्धि महामार्ग पर हुए इस भीषण हादसे ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और तेज रफ्तार को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस मृतकों और घायलों की विस्तृत जानकारी जुटाने में लगी हुई है।

राज्यसभा बना 'ईसों का क्लब', 2014 में सिर्फ 4 थे 100 करोड़ी; 2026 में संख्या बढ़कर हुई 31



नई दिल्ली (आरएनएस)। संसद के उच्च सदन राज्यसभा की आर्थिक तस्वीर में पिछले 12 वर्षों के दौरान ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिला है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म (ADR) और नेशनल इलेक्शन वॉच द्वारा जारी ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, उच्च सदन में 100 करोड़ से अधिक की घोषित संपत्ति वाले सांसदों की संख्या में भारी उछाल आया है। वर्ष 2014 में जहां 100 करोड़ से अधिक संपत्ति वाले केवल 4 सांसद थे, वहीं 2018 में यह संख्या बढ़कर 6 हुई और 2026 तक यह आंकड़ा 31 पर पहुंच गया है। चुनावी हलफनामों के विश्लेषण से साफ है कि राज्यसभा में अब करीब हर 7वां सांसद अरबपतियों के इस एलीट क्लब में शामिल है। 226 सांसदों की औसत संपत्ति 115.25 करोड़, 14% सांसद 100 करोड़ से ऊपर

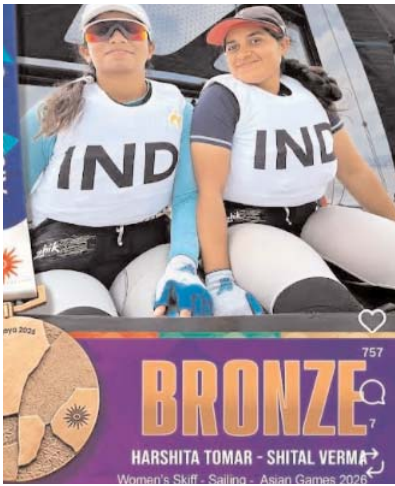
एडीआर ने राज्यसभा के कुल 233 सदस्यों में से 226 मौजूदा सांसदों के हलफनामों का विस्तृत विश्लेषण किया है। इनमें पश्चिम बंगाल की 4 रिक्त सीटें और 3 सांसदों—देवेन्द्र प्रताप सिंह, जी.सी. चंद्रशेखर और एस. सेल्वगणपति के हलफनामे उपलब्ध न होने के कारण शामिल नहीं किए जा सके। विश्लेषण के मुताबिक, 226 में से 31 सांसद यानी करीब 14 प्रतिशत सदस्य 100 करोड़ से अधिक संपत्ति के मालिक हैं।

मध्य प्रदेश में 10 अक्टूबर तक मानसून पूरी तरह होगी विदा

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश में मानसून की विदाई का सिलसिला अब शुरू होने वाला है। प्रदेश से दक्षिण-पश्चिम मानसून 10 अक्टूबर तक पूरी तरह विदा हो सकता है। फिलहाल अगले तीन दिन ज्यादातर हिस्सों में तेज धूप रहेगी, जबकि 5 अक्टूबर से पूर्वी मध्य में हल्की बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है। वहीं, दिन के तापमान में बढ़ोतरी के साथ रात में हल्की ठंडक महसूस होगी। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में मानसून का निर्धारित सीजन 30 सितंबर को समाप्त हो चुका है, लेकिन अब तक किसी भी जिले से मानसून की आधिकारिक विदाई नहीं हुई है।

हर्षिता तोमर ने एशियन गेम्स 2026 में जीता कांस्य पदक

शीतल वर्मा के साथ सेलिंग स्पर्धा में हासिल की सफलता ,नर्मदापुरम में खुशी की लहर, कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने दी बधाई



नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले के ग्राम रैसलपुर की होनहार सेलिंग खिलाड़ी हर्षिता तोमर ने एशियन गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया है। हर्षिता ने यह उपलब्धि शीतल वर्मा के साथ मिलकर हासिल की। उनकी इस सफलता से न केवल परिवार बल्कि पूरे नर्मदापुरम जिले में इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी है। उन्होंने हर्षिता के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी सफलता से नर्मदापुरम जिले का गौरव बढ़ा चुकी है। एक बार फिर एशियन गेम्स में पदक हासिल कर हर्षिता ने अपनी खेल प्रतिभा और निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया है। हर्षिता की इस उपलब्धि पर जिलेवासियों, खेल प्रेमियों और उनके परिजनों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है। उनकी सफलता जिले के युवा खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणादायी है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने हर्षिता तोमर की इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी है। उनकी सफलता जिले के युवा खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणादायी है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने हर्षिता तोमर की इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी है। उनकी सफलता जिले के युवा खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणादायी है।



सत्य, अहिंसा और निर्भयता, यही बापू की सबसे बड़ी विरासत, गांधी जयंती पर राहुल गांधी ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, (आरएनएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को महात्मा गांधी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और निडरता के संदेश का जिक्र किया और कहा कि यही महात्मा गांधी की सबसे बड़ी विरासत है। नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी शुक्रवार सुबह राजघाट पहुंचे और महात्मा गांधी की 157वीं जयंती के मौके पर गांधी जी की समाधि पर आयोजित सर्व-धर्म प्रार्थना में शामिल हुए। उन्होंने महात्मा गांधी की समाधि पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान देशभर के नेताओं और नागरिकों ने गांधी जयंती मनाई और शांति, अहिंसा व स्वच्छता के उनके संदेश को याद किया। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, सत्य, अहिंसा और निर्भयता, यही बापू की सबसे बड़ी विरासत है। उन्होंने सिखाया कि अत्याचारी के सामने कभी झुकना नहीं, सत्य और अहिंसा के साथ डटे रहना ही सच्ची ताकत है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती पर उन्हें सादर नमन। महात्मा गांधी जी की 157वीं जयंती के अवसर पर राजघाट पहुंचकर गांधी समाधि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह करेंगे नवीन न्याय संहिताओं पर आधारित भव्य प्रदर्शनी का उद्घाटन

3 से 7 अक्टूबर तक वीएचईएल दशहरा मैदान, भोपाल में होगी पाँच दिवसीय प्रदर्शनी



भोपाल, (आरएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्रालय के मार्गदर्शन में नवीन न्याय संहिताओं के प्रति आम नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से भोपाल में पाँच दिवसीय भव्य प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है। प्रदर्शनी का उद्घाटन 3 अक्टूबर को माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा किया जाएगा। यह प्रदर्शनी 3 से 7 अक्टूबर 2026 तक वीएचईएल दशहरा मैदान, गोविंदपुरा, भोपाल में आयोजित होगी। प्रदर्शनी में नवीन न्यायिक संहिता के अनुरूप अपराध नियंत्रण, अन्वेषण तथा वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन की संपूर्ण प्रक्रिया को सरल, सहज एवं सजीव रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। इसमें घटना घटित होने से लेकर साक्ष्य संकलन, वैज्ञानिक परीक्षण, अपराधियों की पहचान तथा न्याय दिलाने तक की कार्यवाही को क्रमबद्ध तरीके से प्रदर्शित किया जाएगा।

इसके अंतर्गत घटना की सूचना डायल-112 अथवा ई-एफआईआर के माध्यम से प्राप्त होने के बाद पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया, थाना स्टाफ के घटनास्थल पर पहुंचने तथा आवश्यकता के अनुसार फॉरेंसिक टीम, डॉग स्कॉड एवं फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों द्वारा की जाने वाली कार्यवाही का सजीव प्रदर्शन होगा। घटनास्थल से तकनीकी एवं वैज्ञानिक विधियों से साक्ष्य एवं नमूने एकत्र करने तथा उनकी सुरक्षित प्रक्रिया को भी प्रदर्शित किया जाएगा। प्रदर्शनी में संकलित साक्ष्यों एवं प्राप्त चिन्हों के तकनीकी परीक्षण और उपलब्ध पुलिस प्रणालियों के माध्यम से मिलान की प्रक्रिया को समझाया जाएगा। साक्ष्यों को फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (FSL) तथा आवश्यकतानुसार मेडिको-लीगल जांच के लिए भेजे जाने की प्रक्रिया भी प्रदर्शित की जाएगी। वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर अपराध की विवेचना को मजबूत बनाने तथा प्राप्त निष्कर्षों को प्रभावी ढंग से न्यायिक प्रक्रिया के समक्ष प्रस्तुत किए जाने की कार्यप्रणाली को भी सजीव दर्शाया जाएगा। तकनीकी और लाइव डेमो होंगे प्रदर्शनी के प्रमुख आकर्षण। प्रदर्शनी में क्राइम सीन के 3D मॉडल, डिजिटल डिस्प्ले, वीडियो तथा लाइव डेमो के माध्यम से आधुनिक अन्वेषण प्रणाली को प्रदर्शित किया जाएगा। क्राइम सीन पर साक्ष्य संकलन और वैज्ञानिक जांच की प्रक्रिया का सजीव प्रदर्शन विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। साइबर सुरक्षा के लिए 'सेफ क्लिक अभियान' तथा ऑनलाइन ई-जोरो एफआईआर की जानकारी भी नागरिकों को दी जाएगी।

मिर्ची की बोरियों के नीचे छिपाकर ले जा रहे थे 440 किलो गांजा, जशपुर पुलिस ने दो तस्करों को पकड़ा

जशपुर (आरएनएस)। नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन आघात' के तहत छत्तीसगढ़ के जशपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 440.63 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। पुलिस ने उड़ीसा से उत्तर प्रदेश गांजा ले जा रहे दो कथित तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने गांजे के पैकेट मिर्ची की बोरियों के नीचे छिपा रखे थे। पुलिस ने तस्करों में इस्तेमाल टाटा आयशर मिनी ट्रक भी जब्त कर लिया है। बरामद गांजे और वाहन की कुल अनुमानित कीमत 2 करोड़ 40 लाख 31 हजार 500 रुपये बताई गई है।

पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई 2 अक्टूबर 2026 को सुबह करीब 9 बजे लावाकरा पुलिस जांच नाके पर एंटी नारकोटिक्स दल और तपकरा थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने की। जशपुर के उपमहानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के नेतृत्व तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार पाटनवार के मार्गदर्शन में जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है।



सहकार से
समृद्धि



गौपालक सम्मेलन

मुख्य अतिथि

अमित शाह

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

अध्यक्षता

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

भूमिपूजन

₹255 करोड़ का डेयरी प्लांट, उज्जैन

लोकार्पण

फर्मेंटेड मिल्क प्रोडक्ट प्लांट एवं
राज्यस्तरीय केन्द्रीय गुणवत्ता लैब, भोपाल
मिनी डेयरी संयंत्र, शिवपुरी

हितलाभ वितरण

दुग्ध संघ के पशुपालकों को बोनस
गौशालाओं को सहायता
कामधेनु योजना स्वीकृति पत्र वितरण

सम्मान

गौपालक दीदियों का

3 अक्टूबर 2026

बीएचईएल, दशहरा मैदान, भोपाल

**मिल्क कैपिटल बनेगा
मध्यप्रदेश**

9% से 20%

देश के कुल दुग्ध उत्पादन में
मध्यप्रदेश की हिस्सेदारी
बढ़ाने का लक्ष्य

₹2,973 करोड़ की

दुग्ध उत्पादन और डेयरी क्षेत्र के
विकास के लिए योजनाओं को मंजूरी

26,000 गांवों में

दुग्ध सहकारी समितियों के
नेटवर्क के विस्तार का लक्ष्य

**10 लाख से 50 लाख
लीटर प्रतिदिन**

अगले 5 वर्षों में दुग्ध संकलन
करने का लक्ष्य



शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय इंदौर में गांधी जयंती के अवसर पर सत्य, अहिंसा और स्वच्छता का संदेश



इन्दौर(आरएनएस)। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय किला भवन इंदौर में 2 अक्टूबर 2026 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य

निर्माणाधीन मकान की तीसरी मंजिल से सड़क पर आ गिरी बली, रास्ते से गुजर रहे शरस्व की मौत

दतिया(आरएनएस)। दतिया शहर में निर्माणाधीन मकान से गिरी सटरिंग की बल्ली ने एक राहगीर की जान ले ली। गुरुवार सुबह कोतवाली थाना क्षेत्र के मातन के पहरे के पास सड़क से गुजर रहे 50 वर्षीय हकीम सिंह यादव इसकी चपेट में आ गए। सिर में गंभीर चोट लगने के बाद उन्हें तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। आसपास मौजूद लोगों ने घायल हकीम सिंह को संभाला और इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाने में मदद की। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाई।

जानकारी के अनुसार मातन के पहरे के पास हर्ष तांत्रकार के मकान में निर्माण कार्य चल रहा था। मकान की तीसरी मंजिल पर सटरिंग का काम किया जा रहा था।

डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव के संरक्षण एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ. वी. पी. बैरागी के मार्गदर्शन, प्राध्यापक डॉ. प्रेरणा ठाकुर की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 10:30 बजे महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं श्रद्धासुमन अर्पित कर किया गया। सर्वप्रथम प्राचार्य डॉ. बी.

पन्ना में प्रदेश युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष अभिषेक परमार की नेतागीरी, रौब के चक्कर में टीआई को मारा धक्का



नौकझोंक हुई और गुस्से में अभिषेक परमार ने टीआई के साथ धक्का-मुक्की शुरू कर दी। अमित भटनागर और दिव्या अहिरवार सहित 13 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्जदरअसल, आंदोलन के चलते तीन दिन पहले मजगाये में अमित भटनागर और दिव्या को गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस और गांव के लोगों के बीच भारी बवाल हुआ था, जिसके बाद पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा था। इस दौरान कई लोगों को चोटें आई थीं।

डी. श्रीवास्तव ने महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके पश्चात उपस्थित प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं छात्राओं ने पुष्प अर्पित कर राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव ने छात्राओं को सत्य, अहिंसा, स्वच्छता एवं सेवा के मार्ग पर चलने की शपथ दिलाई। उन्होंने अपने उद्बोधन में महात्मा गांधी जी के जीवन-दर्शन, सत्याग्रह, अहिंसा तथा स्वच्छता के प्रति उनके विचारों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गांधी जी के विचार आज भी समाज एवं राष्ट्र के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनके सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाकर विद्याश्री समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने, सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने तथा अपने आसपास स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण निर्मित करने का संदेश दिया गया। साथ ही गांधी जी के आदर्शों को अपने आचरण में उतारने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का आयोजन एवं संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शीतल ब्राह्मण, इकाई-2 द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रो. अमरीश निगम, प्रो. आशीष कपूर सहित अन्य प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जीवन-मूल्यों, सत्य, अहिंसा, स्वच्छता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूकता विकसित करना है।

पन्ना में प्रदेश युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष अभिषेक परमार की नेतागीरी, रौब के चक्कर में टीआई को मारा धक्का

पन्ना(आरएनएस)। जिले की मजगाये डैम में पुनर्वास और मुआवजा को लेकर विरोध प्रदर्शन चल रहा है। रंझ और मझगाया बांध विस्थापितों और पुलिस लाठीचार्ज मामले में अब सियासत गर्मा गई है। आज, शुक्रवार को युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मध्यप्रदेश के युवा कांग्रेस उपाध्याक्ष अभिषेक परमार की अगुवाई में विरोध प्रदर्शन किया और प्रदर्शन के दौरान हनुमतपुर चौकी का घेराव कर लिया। इस प्रदर्शन के दौरान माहौल उस समय तनावपूर्ण हो गया, जब अभिषेक परमार अजयगढ़ थाना प्रभारी से भिड़ गए। दोनों के बीच तीखी पुनर्वास और मुआवजा को लेकर विरोध प्रदर्शन चल रहा है। रंझ और मझगाया बांध विस्थापितों और पुलिस लाठीचार्ज मामले में अब सियासत गर्मा गई है। आज, शुक्रवार को युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मध्यप्रदेश के युवा कांग्रेस उपाध्याक्ष अभिषेक परमार की अगुवाई में विरोध प्रदर्शन किया और प्रदर्शन के दौरान हनुमतपुर चौकी का घेराव कर लिया। इस प्रदर्शन के दौरान माहौल उस समय तनावपूर्ण हो गया, जब अभिषेक परमार अजयगढ़ थाना प्रभारी से भिड़ गए। दोनों के बीच तीखी

त्यापार समाचार

आरबीआई ने फेमा उल्लंघन मामले में बीपीटीपी लिमिटेड के खिलाफ कंपाउंडिंग आदेश जारी किया

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रियल एस्टेट डेवलपर बीपीटीपी लिमिटेड और उसके दो निदेशकों कबीर चावला तथा सुधांशु त्रिपाठी के खिलाफ विदेशी मुद्रा कानून के उल्लंघन से जुड़े मामले में कंपाउंडिंग आदेश जारी किया है। कंपनी ने 2007 और 2008 में हुए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) लेनदेन से जुड़े मामले में कुल 4.84 करोड़ रुपए की कंपाउंडिंग राशि का भुगतान करने पर सहमत जताई है।

यह मामला प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के गुरुग्राम जोनल कार्यालय द्वारा बीपीटीपी लिमिटेड, जिसे पहले बिजनेस पार्क टाउन प्लानर्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम से जाना जाता था, में मिले एफडीआई की जांच से सामने आया था। जांच में मॉरीशस स्थित सीपीआई इंडिया एल लिमिटेड और हार्वर विक्टोरिया इन्वेस्टमेंट होल्डिंग लिमिटेड से कंपनी को मिले करीब 537.5 करोड़ रुपये के विदेशी निवेश की पड़ताल की गई थी।

आरबीआई ने कहा, भारतीय रिजर्व बैंक ने 17 सितंबर 2026 को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा), 1999 की धारा 15(1) तथा इसके तहत बनाए गए नियमों, विनियमों, अधिसूचनाओं और आदेशों के तहत बीपीटीबी लिमिटेड और



उसके निदेशकों कबीर चावला तथा सुधांशु त्रिपाठी के मामले में कंपाउंडिंग आदेश जारी किए हैं।

जांच के अनुसार, बीपीटीबी को 21 अगस्त 2007 को सीपीआई इंडिया एल लिमिटेड से करीब 7.767 करोड़ अमेरिकी डॉलर (लगभग 322.5 करोड़ रुपये) और 9 जुलाई 2008 को हार्वर विक्टोरिया इन्वेस्टमेंट होल्डिंग लिमिटेड से करीब 4.984 करोड़ अमेरिकी डॉलर (लगभग 215 करोड़ रुपये) प्राप्त हुए थे।

जांच में पाया गया कि निवेश समझौतों में पुट ऑप्शन और निवेशकों को निश्चित आंतरिक रिटर्न (आईआरआर) देने से संबंधित प्रावधान शामिल थे। उस समय एफडीआई से जुड़े लागू फेमा प्रावधानों के तहत इस तरह की शर्तें अनुमत नहीं थीं। ईडी का आरोप था कि कंपनी ने ऑटोमैटिक रूट के तहत विदेशी निवेश हासिल किया, लेकिन निवेशकों को स्वैप और पुट ऑप्शन व्यवस्था के माध्यम से सुनिश्चित रिटर्न देने की पेशकश की गई थी।

जांच एजेंसी के अनुसार, इस तरह के समझौते विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 और विदेशी निवेशकों को शोषण जारी करने से संबंधित नियमों एवं विनियमों के प्रावधानों के विपरीत थे।

जांच में यह भी सामने आया कि बीपीरटीपी ने सीपीआई इंडिया एल लिमिटेड से प्राप्त विदेशी निवेश में से करीब 320 करोड़ रुपये अपने प्रोजेक्ट्स में लगाने के बजाय फिक्स डिपॉजिट और म्यूचुअल फंड में निवेश किए थे। निवेश समझौते की शर्तों के अनुसार इस राशि का इस्तेमाल कंपनी की परियोजनाओं में किया जाना था।

इसे भी फेमा के तहत एक अलग उल्लंघन के रूप में दर्ज किया गया।

50 लाख का फ्लैट मतलब 50 लाख का खर्च नहीं, इन 6 ‘हिडन चार्ज’ को न भूलें; वरना बिगड़ जाएगा पूरा बजट



नई दिल्ली (आरएनएस)। अपना घर खरीदना हर आम इंसान की जिंदगी का सबसे बड़ा सपना और सबसे बड़ा आर्थिक निवेश होता है। इसे साकार करने के लिए खरीदार अक्सर प्रांपटी की मूल कीमत और होम लोन की मासिक किस्त (EMI) का गणित तो आसानी से लगा लेते हैं, लेकिन घर की खरीद से जुड़े कई अन्य अतिरिक्त और छिपे खर्चों को अपने बजट में जोड़ना भूल जाते हैं। नतीजा यह होता है कि पजेशन या रजिस्ट्री के वक्त अचानक सामने आने वाले ये खर्च खरीदार के लिए बड़ा आर्थिक संकट और सिरदर्द बन जाते हैं। जानकारों का साफ कहना है कि किसी फ्लैट की बेस प्राइस जितनी दिखती है, अंतिम भुगतान उससे कहीं ज्यादा होता है। 1. स्टॉप ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन चार्ज-सबसे बड़ा अतिरिक्त भार

घर खरीदने में फ्लैट की मूल लागत के बाद सबसे बड़ा खर्च स्टॉप ड्यूटी और रजिस्ट्री शुल्क का होता है। यह दर पूरे देश में एक समान नहीं होती, बल्कि हर राज्य के राजस्व नियमों और शहर के हिसाब से 5 से 8 प्रतिशत या उससे भी अधिक हो सकती है। कई राज्यों में महिला खरीदारों को इसमें मामूली छूट मिलती है। उदाहरण के तौर पर, 50 लाख रुपये के फ्लैट पर खरीदार को 3 से 4 लाख रुपये अतिरिक्त सिर्फ स्टॉप ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क के रूप में चुकाने पड़ सकते हैं। इसलिए केवल प्रांपटी की बेस वैल्यू देखकर सौदा तय करना वित्तीय दृष्टि से जोखिम भरा हो सकता है।

2. निर्माणाधीन फ्लैट पर तस्ख का गणित, रेडी-टू-मूव में राहत यदि आप किसी निर्माणाधीन (अंडर-कंस्ट्रक्शन) प्रोजेक्ट में फ्लैट बुक कर रहे हैं, तो आपके कुल बजट पर जीएसटी का सीधा असर पड़ेगा। वर्तमान कर व्यवस्था के तहत सामान्य आवासीय संपत्तियों पर 5 प्रतिशत और किफायती (अफोर्डेबल) हाउसिंग प्रोजेक्ट्स पर 1 प्रतिशत प्रभावी जीएसटी लागू होता है। इसके उलट, यदि आप ऐसा फ्लैट या मकान खरीद रहे हैं जिसे सक्षम विकास प्राधिकरण से कंप्लेशन सर्टिफिकेट (CC) जारी हो चुका है, तो उस तैयार संपत्ति की बिक्री पर कोई जीएसटी नहीं लगता।

नई दिल्ली (आरएनएस)। अमेरिका ने विभिन्न देशों के 10 लोगों और कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए हैं। इन पर ईरान के रक्षा मंत्रालय और सशस्त्र बल लॉजिस्टिक्स (एमओडीएफएल) के लिए हथियार और सैन्य उपकरण खरीदने में मदद करने का आरोप है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इनमें पाकिस्तानी कंपनियों का भी जिक्र है।

द मीडिया लाइन ने अपने विश्लेषण के आधार पर दावा किया कि जिन लोगों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं, उनमें एक पाकिस्तानी व्यवसायी और उससे जुड़ी तीन कंपनियां शामिल हैं। इसके अलावा, यह व्यवसायी पाकिस्तान स्थित कैवेलियर ग्रुप का चेयरमैन है। ये एक प्राइवेट डिफेंस कंपनी है जो पाकिस्तान और अन्य देशों में काम करती है।

अमेरिका का आरोप है कि इस व्यक्ति और कंपनी ने ईरानी रक्षा मंत्रालय के लिए बिजौलिए का काम किया और हथियारों की खरीद-फरोख्त में मदद की। रिपोर्ट के अनुसार, यह व्यवसायी पाकिस्तान में कैवेलियर डायनामिक्स प्राइवेट लिमिटेड का मुख्य शेयरधारक और चीफ एजीक्यूटिव है। वह सऊदी अरब और तुर्की की उन सहयोगी कंपनियों से भी जुड़ा है जिन पर प्रतिबंध लगाए गए हैं।

सेवा संकल्प अभियान: शहपुरा में नुकड़ नाटक से दर्शित की गई अनकही कहानियां



दिन में झुलसाती धूप और रात में ठंडक, 24 घंटे में बदला 18 डिग्री तापमान

इंदौर(आरएनएस)। इंदौर शहर में ठंड के शुरुआती महीने अक्टूबर की शुरुआत इस बार भीषण गर्मी के नए रिकॉर्ड के साथ हुई है। महीने के पहले ही दिन शहर में दिन का अधिकतम तापमान 35.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इसके साथ ही अक्टूबर महीने में पिछले दस साल के दौरान दर्ज सर्वाधिक तापमान का पुराना कीर्तिमान ध्वस्त हो गया है। सुबह से लेकर शाम तक तेज धूप के कारण सूरज आग बरसाता नजर आया और शहरवासी गर्मी तथा उमस से बेहाल होते दिखाई दिए। हालांकि, शाम को सूरज ढलने के पश्चात ही लोगों को इस तपिश से थोड़ी राहत महसूस हुई। वहीं शुक्रवार 2 अक्टूबर को पारा 35.8 डिग्री पर रहा जो 1 अक्टूबर से ज्यादा दर्ज किया गया। मौसम केंद्र के अनुसार, इससे पहले बीते दस वर्षों में अक्टूबर महीने का सबसे अधिक तापमान 35.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो वर्ष 2017 में 2 और 4 अक्टूबर को रिकॉर्ड हुआ था। इस वर्ष अक्टूबर के पहले ही दिन तापमान उस आंकड़े को 0.1 डिग्री पार कर गया।

पन्ना में चमकी महिला की किस्मत

रातोंरात बनी लखपति, एक साथ मिले चार हीरे; कुल वजन पांच कैरेट से ज्यादा

पन्ना (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के पन्ना की धरती एक बार फिर बेशकीमती हीरों को लेकर सुर्खियों में है। यहां उत्तर प्रदेश की रहने वाली एक



महिला की किस्मत उस वक्त चमक उठी, जब उसे एक ही खदान से एक साथ चार हीरे मिले। चारों हीरों का कुल वजन पांच कैरेट से अधिक बताया जा रहा है। इन हीरों की अनुमानित कीमत करीब 10 लाख रुपये आंकी जा रही है। महिला ने सभी हीरों को पन्ना के हीरा कार्यालय में जमा करा दिया है। जानकारी के अनुसार, पन्ना के सरकोहा क्षेत्र में बेथत निजी खदान में उत्तर प्रदेश के झांसी की रहने वाली गुड्डी श्रीवास ने हीरा तलाशने के लिए खदान लगाई थी। लंबे समय से मेहनत कर रही गुड्डी श्रीवास को आखिरकार वह सफलता मिल गई, जिसका इंतजार हीरा खदान में काम करने वाले हर व्यक्ति को रहता है। खदान में काम के दौरान गुड्डी श्रीवास को एक साथ चार हीरे मिले। चारों हीरों का कुल वजन 5 कैरेट से अधिक बताया जा रहा है। जैसे ही हीरे मिलने की जानकारी सामने आई, महिला और उसके परिवार में खुशी का माहौल बन गया। गुड्डी श्रीवास ने हीरों को अपने पास रखने के बजाय नियमानुसार पन्ना के हीरा कार्यालय में जमा कराया है। अब इन हीरों को आगामी नीलामी में रखा जाएगा। नीलामी के बाद इनकी वास्तविक कीमत सामने आएगी। फिलहाल इन चारों हीरों की अनुमानित कीमत करीब 10 लाख रुपये बताई जा रही है। गुड्डी श्रीवास का कहना है कि वह झांसी की रहने वाली हैं और पन्ना में रहकर हीरा खदान में काम कर रही थीं। एक साथ चार हीरे मिलने से वह बेहद खुश हैं। उनका कहना है कि हीरों की नीलामी से मिलने वाली राशि का उपयोग वह अपना कई बच्चों की पढ़ाई-लिखाई और घर-गृहस्थी की जरूरतों को पूरा करने में करेंगी।

निवेशक जागरूकता बढ़ाने के लिए सेबी का नया निर्देश, ब्रोकर्स को वेबसाइट और ऐप पर दिखाने होंगे चेतावनी संदेश

नई दिल्ली (आरएनएस)। पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ने निवेशक जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए स्टॉक ब्रोकर्स को अपनी वेबसाइटों और ट्रेडिंग ऐप्स पर निवेशक जागरूकता संदेश तथा जोखिम संबंधी जानकारी प्रदर्शित करने का निर्देश दिया है। यह कदम सेबी की प्रोजेक्ट जागरूक पहल के तहत उठाया गया है। सेबी ने गुरुवार को जारी एक परिपत्र में कहा कि यह पहल निवेशकों को अधिक जागरूक बनाने और उन्हें निवेश से जुड़े जोखिमों पर बेहतर ढंग से समझने में मदद करने के उद्देश्य से की गई है। यह निर्णय विश्व निवेशक सप्ताह 2026 (वर्ल्ड इन्वेस्टर वीक 2026) से पहले लिया गया है। नए निर्देशों के अनुसार, सभी स्टॉक ब्रोकर्स को 5 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 के बीच अपनी वेबसाइटों पर सेबी द्वारा निर्धारित निवेशक जागरूकता संदेशों को सप्ताह आधारित जोखिम प्रकटीकरण प्रदर्शित करना होगा। इसके बाद 1 नवंबर 2026 से ब्रोकर्स की वेबसाइटों के लैंडिंग पेज पर निवेशक जागरूकता संदेश प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा, ताकि वेबसाइट पर आने वाले प्रत्येक निवेशक को शुरुआत में ही आवश्यक जानकारी मिल सके। ट्रेडिंग ऐप्स के संबंध में सेबी ने कहा कि 5 अक्टूबर से 31 अक्टूबर के बीच ब्रोकर्स को भी अपने ऐप्स से इन संदेशों को प्रदर्शित कर सकते हैं। यदि इस अवधि में कोई ब्रोकर किसी दिन अपने ट्रेडिंग ऐप पर जागरूकता संदेश दिखाता है, तो उस दिन जोखिम प्रकटीकरण दिखाना वैकल्पिक रहेगा। हालांकि, 1 नवंबर 2026 से सभी स्टॉक ब्रोकर्स को अपनी ट्रेडिंग ऐप्स पर निवेशक जागरूकता संदेश और जोखिम प्रकटीकरण दोनों को वैकल्पिक दिनों पर प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा।

सेबी ने कहा कि यह पहल उसके व्यापक निवेशक शिक्षा अभियान प्रोजेक्ट जागरूक का हिस्सा है। इसका उद्देश्य निवेशकों को सही जानकारी उपलब्ध कराना, जोखिमों के प्रति जागरूक बनाना और उन्हें अधिक सूचित निवेश निर्णय लेने में सक्षम बनाना है। गौरतलब है कि सेबी ने इससे पहले 19 मई 2023 को जारी एक संकूलर के माध्यम से स्टॉक ब्रोकर्स को अपने ग्राहकों के लिए निर्धारित जोखिम प्रकटीकरण प्रदर्शित करना अनिवार्य किया था। अब उसी प्रयास को आगे बढ़ाते हुए निवेशक जागरूकता संदेशों को भी अनिवार्य किया जा रहा है।

एम्बेयर-महिंद्रा की बड़ी तैयारी: 80 विमानों की डील मिली तो नागपुर में बनेगा सी-390; क्या है पूरा प्लान ?

नई दिल्ली (ए.)। भारत के अरबों डॉलर के सौदे पर एम्बेयर और महिंद्रा ग्रुप की नजर है। भारत करीब 80 मध्यम परिवहन विमान (एमटीए) खरीदने की योजना बना रहा है। ऐसे में एयरोस्पेस कंपनी एम्बेयर और महिंद्रा ग्रुप ने नागपुर को संभावित विनिर्माण केंद्र के रूप में चुना है। यहां सी-390 मिलेनियम की असेंबली लाइन लगाई जा सकती है। यह तभी होगा, जब इस सौदे का ठेका उन्हें मिलता है। दोनों कंपनियां भारत में स्थानीय उत्पादन और समर्थन केंद्र (सपोर्ट हब) बनाने की तैयारी कर रही हैं। इसके लिए शुरुआती काम तेजी से चल रहा है। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) करीब 80 सैन्य परिवहन विमान खरीदने की योजना बना रही है। इन विमानों से पुराने सोवियत दौर के एएन-32 और आईएन-76 विमानों की जगह ली जाएगी। सी-390 मिलेनियम के अलावा इस सौदे के तहत दो और बड़े दावेदार हैं। इनमें एयरबस डिफेंस एंड स्पेस का ए-400एम विमान और लॉकहीड मार्टिन का सी-130 जे सुपर हरक्यूलिस शामिल है। भारतीय वायुसेना के पास पहले से 12 सी-130 जे सुपर हरक्यूलिस विमान हैं।

नागपुर में क्या तैयार होगा ? महिंद्रा ग्रुप और एम्बेयर ने कहा कि वे भारत में सी-390 मिलेनियम के लिए औद्योगिक और समर्थन प्रणाली तैयार करने को लेकर बातचीत और योजना पर काम कर रहे हैं।



सेवा की कहानी: खाली पड़ी जमीन पर बनी डबरी, सनी लाल को मछली पालन के साथ मिली सिंचाई की सुविधा

जिस जमीन का पहले कोई उपयोग नहीं हो पा रहा था, आज उसी जमीन पर बनी डबरी सनी लाल के लिए आजीविका का नया माध्यम बन रही है। ग्रामीण रोजगार योजना के तहत निर्मित डबरी से उन्हें मछली पालन के साथ खेती के लिए सिंचाई की सुविधा भी मिली है। डबरी में मछली पालन शुरू करने के बाद अब वे मछलियों की बिक्री से अतिरिक्त आमदनी प्राप्त करने की तैयारी कर रहे हैं। वहीं डबरी में उपलब्ध पानी का उपयोग साग-भाजी की खेती में भी कर रहे हैं।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सामने आई यह कहानी बताती है कि ग्रामीण क्षेत्र में जल संरक्षण के लिए निर्मित डबरी किस तरह परिवार की आजीविका से जुड़ रही है। सनी लाल, पिता शिवचरन ने बताया कि पहले उनकी जमीन खाली पड़ी रहती थी। ग्रामीण रोजगार योजना से डबरी बनने के बाद अब जमीन का उपयोग बढ़ा है और खेती के लिए पानी की सुविधा उपलब्ध हुई है।

मछली पालन से अतिरिक्त आय की तैयारी सनी लाल ने डबरी में मछली पालन शुरू किया है। उनका उद्देश्य मछलियों को तैयार कर बाजार में बेचकर आय अर्जित करना है। इससे दैनिक आजीविका के साथ आय का एक अतिरिक्त साधन विकसित होने की उम्मीद है।

डबरी का लाभ केवल मछली पालन तक सीमित नहीं है। इसमें संग्रहित पानी का उपयोग वे आसपास की जमीन पर साग-भाजी लगाने और सिंचाई के लिए भी कर रहे हैं। इससे पहले खाली रहने वाली जमीन को खेती के उपयोग में लाने का अवसर मिला है।

पहले जमीन खाली रहती थी, अब लगा रहा हूं साग-भाजी सनी लाल बताते हैं, पहले जमीन खाली रहती थी। ग्रामीण रोजगार योजना से डबरी बनी है। इसमें मछली पाले हैं, जिसे बेचकर पानी लगा है। डबरी बनने से सिंचाई की सुविधा मिली है और अब मैं साग-भाजी भी लगाता हूं।

डबरी ने सनी लाल के लिए एक ही स्थान पर जल संरक्षण, सिंचाई और मछली पालन की संभावनाएं तैयार की हैं। उपलब्ध जल का खेती के उपयोग होने से खाली जमीन को उपयोग में लाने में भी मदद मिली है।

डबरी निर्माण से मिली सुविधा के लिए सनी लाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया।

नशीले पदार्थों को ‘ना’ और जिंदगी को ‘हां’ कहे

सुधांशु पंत

यह एक दृश्य अक्सर दोहराया जाता है – लगभग हर कॉलेज के छात्रावासों में, हर कार्यालय की पार्टियों में और साथ जवान हो रहे दोस्तों के हर समूह में। कुछ नशीले पदार्थ एक-दूसरे तक पहुंचाए जाते हैं। इस क्रम में एक बात काफी सहजता के साथ, लेकिन जोर देकर कही जाती है कि बाकी सब भी तो ऐसा ही कर रहे हैं। ऐसे में, मना करना कुछ ऐसा लगता है मानो आप समूह के बाकी साथियों से अलग-थलग हो रहे हों। इसके बाद एक पल की चुप्पी छाती है। और फिर एक युवा अपने साथियों के समूह को ‘ना’ कहने से पैदा होने वाली शर्मंदगी और अलग-थलग पड़ जाने की बेचैनी के बीच जल्दी से फैसला ले लेता है। यही एक निर्णायक पल होता है, क्योंकि लत हमेशा सोच-समझकर लिए गए फैसले से नहीं लगती। अक्सर इसकी शुरुआत पीछे छूट जाने के डर से होती है।

नशीले पदार्थों को ना, जिंदगी को हां

यही वह मौन लेकिन अहम पल है, जिसको ध्यान में रखकर ‘नशा मुक्त भारत अभियान’ (एनएमबीए) की शुरुआत की गई थी। इस अभियान का व्यापक उद्देश्य नशीले पदार्थों की लत के बारे में जागरूकता फैलाना रहा है। लेकिन इसकी असली चुनौती सामाजिक रही है: नशे से मुक्त रहने का फैसला लेने को आसान बनाना, उस फैसले की अभिव्यक्ति को सहज बनाना और कुल मिलाकर, इस पूरी कवायद को एक सामान्य बात के तौर पर देखना आसान बनाना।

दृढ़ संकल्प

जब माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त 2020 को एनएमबीए की शुरुआत की, तो इस अभियान ने एक कहीं अधिक कठिन चुनौती से जुझना तय किया। यह कठिन चुनौती थी – किसी कमजोर पल में, एक अकेले व्यक्ति द्वारा अपने साथियों के समूह के सामने ‘नहीं’ कहने की हिम्मत लाने की। इस दृष्टि से, इस अभियान का सबसे असरदार शब्द शायद सबसे आसान शब्द है, ‘ना!’ यह कोई नाटकीय ‘ना!’ नहीं है। यह कोई नैतिक उपदेश नहीं है। बस जब आपके आस-पास के सभी लोग जब ‘हां’ कह रहे हों, तब बिना विचलित हुए मना करने का आत्मविश्वास है। माननीय प्रधानमंत्री ने कहा है, विकसित भारत संकल्प अभियान के तहत ‘नशा मुक्त युवा’ नाम ही इस संकल्प को पूरी तरह स्पष्ट करता है। अब जबकि भारत एक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है, तो यह जरूरी है कि हमारे युवा शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ हों, आत्मविश्वास से भरे हों और हमेशा नशे की जानलेवा लत से मुक्त रहें। यही इस अभियान का उद्देश्य है। हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि हमारे युवा नशे की लत के खतरों को समझें, जागरूक रहें और इससे दूर रहें। इस संकल्प को साकार करने में ‘राष्ट्रीय नशा मुक्त युवा अभियान’ अब एक अहम भूमिका निभा रहा है।

एनएमबीए: साझा जिम्मेदारी का एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन

छह वर्ष बाद, वह एक पहल अब एक बहुत बड़े अभियान का हिस्सा बन



गई है। यह अभियान संकल्प लेने और लोगों को जोड़ने की गतिविधियों के जरिए 13.71 करोड़ से अधिक युवाओं तक पहुंचा है। साथ ही विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में 31 लाख से अधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। शैक्षिक परिसरों में विद्यार्थियों का स्वेच्छिक रूप से संकल्प लेना अब एक आम बात हो गई है और ग्राम सभाएं भी अब इस मुद्दे पर नियमित रूप से चर्चा करती हैं। जहां पहले लोग अपने परिवार के किसी सदस्य की लत को निजी शर्म की बात मानकर छिपाते थे, वहीं अब 10.65 करोड़ से अधिक महिलाओं, स्वयं-सहायता समूहों (एसएचजी) और सामुदायिक नेटवर्कों के जरिए, इस बारे में खुलकर और अपनी भाषा में अपने पड़ोसियों से बात करने लगी हैं।19 सितंबर, 2026 तक, 1.70 लाख से अधिक ‘नशा मुक्ति मित्र (एनएमएम)’ सामुदायिक स्तर पर चैंपियन बनकर उभरे हैं और 34.57 करोड़ से अधिक लोगों तक यह संदेश पहुंचाने में मदद कर रहे हैं। और, यह रक्षान सकारात्मक दिशा में तेजी से आगे की ओर बढ़ रहा है।यहीं से सामाजिक व्यवहार को बदलने हेतु एक जन-अभियान की शुरुआत हुई है। एनएमबीए ने एकतरफा जागरूकता से आगे बढ़कर लगातार कई ऐसे रास्ते बनाए हैं, जिनसे लोग इस मुहिम से जुड़ सकें, जानकारी हासिल कर सकें और इसके संदेश को आगे बढ़ा सकें।एनएमबीए पोर्टल जानकारीयों, शैक्षिक संसाधनों, सर्वोत्तम कार्यपद्धतियों और नागरिकों के लिए इस अभियान से जुड़ने के अवसरों को एक साथ लाता है।

नशा-मुक्त युवा, नशा-मुक्त भारत

हाल ही में, माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम ‘मन की बात’ की 137वीं कड़ी में इस बड़े मिशन को आगे बढ़ाते हुए ‘नशा-मुक्त युवा, नशा-मुक्त भारत’ के लक्ष्य को फिर से दोहराया। उनकी यह अपील इसलिए भी खास थी क्योंकि इसमें केवल संस्थानों एवं सरकारी एजेंसियों को ही नहीं, बल्कि युवा संगीतकारों, विद्यार्थियों और थिएटर समूहों

जंगल की पगड़डियों पर अब सुरक्षित कदम, चरण पादुका से मिला श्रम को सम्मान

गुलाब डड़सेना
छत्तीसगढ़ के जंगल केवल हरियारी और प्राकृतिक संपदा के प्रतीक नहीं हैं, बल्कि वनांचल में बसे लाखों परिवारों की आजीविका का आधार भी हैं। इन्हीं जंगलों में सुबह की पहली किरण के साथ हाथों में तेंदूपत्ता संग्रहण की टोकरी लिए निकलने वाले संग्राहकों के सामने कंटोली झाड़ियां, नुकीले पत्थर और ऊबड़-खाबड़ पगडंडियां होती हैं। कई घंटे जंगल में चलकर किया जाने वाला तेंदूपत्ता संग्रहण उनके परिवार की आमदनी का महत्वपूर्ण जरिया है। बच्चों की पढ़ाई से लेकर घर की रोजमर्रा की जरूरतों तक इस मेहनत से जुड़ी हैं। ऐसे में इन कठिन वन-पथों पर संग्राहकों के पैरों तक पहुंच रही चरण पादुका उनके लिए केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि सुरक्षा का सहारा और उनके श्रम के सम्मान का अहसास बन रही है।

करीब पांच साल से बंद इस लोककल्याणकारी योजना को ‘मोदी की गारंटी’ के तहत मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पुनः प्रारंभ किया है। मुख्यमंत्री साय ने कोडगांव में आयोजित ‘जंगल जतरा 2024’ महासम्मेलन में चरण पादुका योजना को फिर शुरू करने की घोषणा की थी। इसके बाद दुर्ग जिले के जामगांव में महिला तेंदूपत्ता संग्राहकों को चरण पादुका पहनाकर योजना का विधिवत शुभारंभ किया गया। योजना के पुनः संचालन से प्रदेश के 12 लाख 40 हजार से अधिक तेंदूपत्ता संग्राहकों को इसका लाभ दिया जाना है। प्रदेश के नवीनतम जिलों में एक सारांगढ़-बिलाईगढ़ जिले में चरण पादुका योजना का बेहतर क्रियान्वयन किया जा रहा है। सेवा संकल्प अभियान के दौरान इस योजना के अभ्यर्थियों के सुखद किस्से कहानियां भी सामने आ रही है।

सारांगढ़-बिलाईगढ़ जिले में 18 हजार 225 तेंदूपत्ता संग्राहकों तक पहुंची चरण पादुका इसी जमीनी बदलाव की कहानी कहती है। जंगल वही हैं, तेंदूपत्ता संग्रहण की मेहनत भी वही है और पगडंडियां भी वही हैं, लेकिन अब इन पगडंडियों पर बढ़ते हजारों कदमों के साथ सुरक्षा, सुविधा और सम्मान का नया भरोसा भी जुड़ गया है।

तेंदूपत्ता संग्रहण छत्तीसगढ़ के वनांचल में रहने वाले हजारों परिवारों की जिंदगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था से गहराई से जुड़ा है। संग्रहण का मौसम आते ही परिवार जंगलों का रुख करते हैं। पत्तों की तलाश में उन्हें घंटों कंटोली झाड़ियों, नुकीले पत्थरों और दुर्गम रास्तों से गुजरना पड़ता है। इस दौरान पैरों में चोट लगने का खतरा बना रहता है। ऐसे में चरण पादुका जंगल की कठिन राह पर संग्राहकों के कदमों को सुरक्षा देने के साथ उनके रोजमर्रा के काम को अधिक सहज बनाने में मददगार साबित हो रही है।

सारांगढ़-बिलाईगढ़ में 18 हजार 225 संग्राहकों तक पहुंची योजना चरण पादुका योजना के पुनः प्रारंभ होने के बाद इसकी सुखद तस्वीर सारांग-बिलाईगढ़ जिले के वनांचल में भी दिखाने दे रही है। जिले में अब तक 18 हजार 225 तेंदूपत्ता संग्राहकों को चरण पादुका का लाभ मिल चुका है। वन विभाग द्वारा जिला स्तर पर समितिवार आयोजन कर पात्र संग्राहकों को चरण पादुका प्रदान की गई। वितरण के दौरान जो पात्र हितग्राही किसी कारणवश योजना का लाभ लेने से छूट गए, उन्हें भी पीछे नहीं छोड़ा गया। विभागीय अमले ने ऐसे संग्राहकों के घर-घर पहुंचकर चरण पादुका प्रदान की, जिससे योजना का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया जा सके।

जिले में बिलाईगढ़, धनसरी, भटागांव, मनपसार, विष्णुपाली, बरमकेला,

को भी शामिल किया गया। ऐसा यह मानते हुए किया गया कि संदेश सबसे अधिक असरदार तब होते हैं, जब वे उन लोगों की आवाज के जरिए पहुंचते हैं जिन पर युवाओं का भरोसा पहले से ही जमा होता है।

असल में, एनएमबीए ने पिछले छह वर्षों के दौरान चुपचाप नशाबंदी की दीवार ही नहीं, बल्कि अपनापन महसूस कराने वाला एक वैकल्पिक दायरा भी बनाया है। यह दायरा अब बड़ा होकर हर राज्य और केन्द्र-शासित प्रदेश के स्कूलों, कॉलेजों, पंचायती राज संस्थाओं, आशा एवं आंगनवाड़ी नेटवर्कों तथा हजारों सामुदायिक संगठनों तक जा पहुंचा है और हर जगह लोग अपने-अपने शब्दों में यही संकल्प ले रहे हैं।

जागरूकता से संकल्प तक

इतने बड़े पैमाने का आंदोलन बहुत देर तक सिर्फ आंकड़ों तक ही सीमित नहीं रहता। यह घरों, कक्षाओं और समुदायों में बातचीत का हिस्सा बनने लगता है, जिससे नशीले पदार्थों के सेवन का मुद्दा खुलकर सामने आता है और इसकी रोकथाम महज संकट के समय की चर्चा न रहकर एक सामूहिक जिम्मेदारी बन जाती है।लेकिन ऐसी जागरूकता तो बस एक शुरुआत है। जो लोग अपने या अपने किसी करीबी के लिए मदद चाहते हैं, उनके मन में अगला सवाल यह आता है कि वे आखिर जाएं कहां? एनएमबीए ने इस कदम को भी आसान बनाने का प्रयास किया है।

राष्ट्रीय नशा-मुक्ति हेल्पलाइन, 14446, जानकारी, मार्गदर्शन और उपयुक्त नशा-मुक्ति संबंधी सेवाओं के लिए संपर्क का जरिया प्रदान करती है। यह चिंता के पल को स्वस्थ होने की दिशा में उठाए जा सकने वाले पहले कदम में बदलने में मदद करती है।

एक दोस्त के जोर देने और अपनी सही समझ के बीच फैसला करते समय कभी हिचकिचाहट भरे पल का अनुभव करने वाले एक व्यक्ति के लिए एनएमबीए की यात्रा यह भरोसा दिलाती है कि वे अकेले नहीं हैं।

भारत की उम्मीद की किरण – युवाओं – की सुरक्षा में एकजुट

अब नागरिकों के पास ‘नशा मुक्ति मित्र’ के तौर पर इस मिशन को आगे बढ़ाने का अवसर है। वे इस बातचीत को मात्र एक अभियान तक सीमित न रखकर उन जगहों तक ले जा सकते हैं, जहां रोजमर्रा के फैसले लिए जाते हैं। क्योंकि कोई भी स्थायी बदलाव शायद ही कभी किसी एक अभियान, एक संस्था या एक पल के जरिए आता है। यह बदलाव तभी कायम रहता है, जब जागरूकता रोजमर्रा की बातचीत का हिस्सा बन जाती है, बातचीत एक सामूहिक संकल्प में बदलती है और वह संकल्प रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन जाता है।यही ‘नशा मुक्त भारत अभियान’ की क्षमता और उसका नतीजा है। यह नशीले पदार्थों के सेवन के खिलाफ एक ऐसा अभियान है, जिसके साथ पूरा देश एकजुट होकर खड़ा है।

आइए, भारत की उम्मीद की किरण-युवाओं-की सुरक्षा के लिए मिलकर काम करें।

(लेखक भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय में सचिव हैं)

मल्दा, सहसपानी, बटाऊपाली, तौसरी, झीकीपाली, झाल, बिरनीपाली, केदार, सालार और करनपाली समितियों के माध्यम से पात्र तेंदूपत्ता संग्राहकों को योजना से लाभान्वित किया गया है। समितिवार आयोजनों से लेकर छूटे हुए संग्राहकों के घर तक चरण पादुका पहुंचाने की इस पहल ने योजना के क्रियान्वयन को जमीनी स्तर तक पहुंचाया है। इन आंकड़ों के पीछे जंगल की पगडंडियों पर रोज मेहनत करने वाले हजारों परिवार और उनकी जरूरतें जुड़ी हुई हैं।

चाटीपाली की महिला संग्राहकों के कदमों को मिला सुरक्षा का साथ योजना से मिली राहत को चाटीपाली के तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों के अनुभवों में करीब से महसूस किया जा सकता है। यहां सुलेखा यादव, प्रेमवती, दिनेश यादव और बिमला यादव के परिवारों की महिला तेंदूपत्ता संग्राहकों को चरण पादुका योजना का लाभ मिला है। तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए नियमित जंगल जाने वाली इन महिलाओं को रोज कंटोली झाड़ियों, पत्थरों और ऊबड़-खाबड़ रास्तों से होकर गुजरना पड़ता है। सुलेखा यादव और प्रेमवती के परिवार की महिला संग्राहकों के लिए चरण पादुका मिलने से जंगल में तेंदूपत्ता संग्रहण के दौरान पैरों की सुरक्षा में सुविधा हुई है। पहले कठिन रास्तों पर चलते समय कांटों और पत्थरों से चोट लगने की चिंता बनी रहती थी। अब चरण पादुका के कारण उन्हीं पगडंडियों पर चलना अपेक्षाकृत अधिक सहज हुआ है।दिनेश यादव बताते हैं कि उनके परिवार की महिला सदस्य नियमित रूप से तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए जंगल जाती हैं। चरण पादुका मिलने से जंगल आने-जाने और संग्रहण के दौरान पैरों की सुरक्षा में मदद मिली है। परिवार के लिए यह सहायता उनके रोजमर्रा के काम में उपयोगी साबित हो रही है।

विकास की दौड़ में जीवन की बुनियाद क्यों दरक रही है?

[विकास के दर्पण में दिखाई क्यों नहीं देता आम आदमी?]

[आँकड़े चमकें या जीवन सँवरे? विकास का असली सवाल यही है]

आरके जैन "अरिजीव"

विकास का उद्देश्य आर्थिक आँकड़े चमकाना है या नागरिकों का जीवन सँवारना? जब गाँव का किसान फसल के लिए पानी और शहर का नागरिक स्वच्छ हवा को तरसे, तो विकास की प्राथमिकताओं पर सवाल उठना स्वाभाविक है। देश को आधुनिक उद्योग, बेहतर सड़कें, ऊर्जा और मजबूत बुनियादी ढाँचे चाहिए, लेकिन इनकी कीमत आम आदमी के स्वास्थ्य, आजीविका और प्राकृतिक संसाधनों से नहीं चुकाई जा सकती। सच्चा विकास वही है, जिसमें कुर्रें सूखें नहीं, खेतों तक पानी पहुँचे, शहरों की हवा साँसे लेने योग्य हो और हर नागरिक को बुनियादी सुविधार्रें सम्मानपूर्वक मिलें। इसकी कसीटी ऊँची इमारतें, निवेश और चमकदार आँकड़े नहीं, बल्कि आम आदमी का सुरक्षित व स्वस्थ जीवन है। जब तक पानी और हवा जैसी जरूरतें सबकी पहुँच में नहीं होंगी, विकास के दावे अधूरे रहेंगे।

गाँवों का जल संकट मानसून की अनिश्चितता के साथ भूजल के अंधाधुंध दोहन, पारंपरिक जलस्रोतों की उपेक्षा और कुप्रबंधन का नतीजा है। गिरते भूजल स्तर से नलकूपों से पानी निकालना कठिन और महँगा हो रहा है। नहरें खेतों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुँचा रही और तालाब अतिक्रमण की भेंट चढ़ रहे हैं। लाखों हेक्टेयर कृषि भूमि सिंचाई संकट से जूझ रही है। शहरों और उद्योगों की बढ़ती जरूरतें जल संसाधनों पर दबाव डाल रही हैं। बाँध और बड़ी परियोजनाएँ बनती हैं, पर जलस्रोतों के रखरखाव और न्यायपूर्ण वितरण की अनदेखी है। नतीजतन, फसलें सूखती हैं, किसानों पर कर्ज बढ़ता है और ग्रामीण पलायन को मजबूर हैं। अन्रदाता के खेत में ही पानी अनिश्चित है। यह मौसम की मार ही नहीं, जल प्रबंधन की विफलता भी है।

शहरों में विकास की कीमत स्वच्छ हवा चुका रही

है। ऊँची इमारतों, चौड़ी सड़कों, बढ़ते वाहनों और औद्योगिक विस्तार के बीच साँस लेना दूधर है। दिल्ली-एनसीआर में पीएम 2.5 का स्तर सितंबर 2026 में औसतन लगभग 39 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा, जबकि अक्टूबर में यह तेजी से बढ़ने लगता है (पिछले वर्षों में अक्टूबर का औसत अक्सर 100 से ऊपर रहा है)। अनेक शहरों की वायु गुणवत्ता खराब या बहुत खराब श्रेणी में है। वाहनों का धुआँ, निर्माण की धूल, औद्योगिक उत्सर्जन और कचरा जलाना प्रदूषण बढ़ा रहे हैं। इसकी मार बच्चों, बुजुर्गों और बीमारों पर पड़ रही है। प्रदूषणजनित बीमारियाँ और असमय मौतें गंभीर स्वास्थ्य चुनौती हैं। बच्चे मास्क लगाकर स्कूल जा रहे हैं, बुजुर्ग साँस की समस्याओं से जूझ रहे हैं। स्वच्छ हवा अब आर्थिक क्षमता पर निर्भर है। संपन्न लोग एयर प्यूरीफायर खरीद सकते हैं, जबकि गरीब प्रदूषण से बचने के प्रभावी विकल्पों से वंचित हैं।विकास का विरोधाभास आर्थिक उपलब्धियों और आम आदमी की हकीकत में साफ झलकता है। सकल घरेलू उत्पाद बढ़ रहा है, सड़कें-पुल बन रहे हैं, निवेश और औद्योगिक परियोजनाएँ फैल रही हैं। लेकिन भूजल घट रहा है, जलस्रोत सूख रहे हैं और हवा दूषित हो रही है। बिजली की बढ़ती माँग और कटीती ग्रामीण-शहरी जीवन को प्रभावित कर रही है। बड़े प्रोजेक्टों पर भारी खर्च होता है, पर जल संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और सार्वजनिक सुविधाओं के रखरखाव को समान प्राथमिकता नहीं मिलती। विकास केवल निर्माण और निवेश नहीं है। आर्थिक गतिविधियाँ बँटें, लेकिन पीने का पानी और स्वच्छ पर्यावरण न मिले, तो उसकी सामाजिक कीमत भी आँकनी होगी। चौड़ी सड़कें और चमकदार इमारतें तभी जनकल्याणकारी हैं, जब वे जीवन सुरक्षित और सुविधाजनक बनाएँ।



पाकिस्तान के सुरक्षा संकट में नया मोड़, एक्यूआईएस की एंट्री से टीटीपी के खिलाफ लड़ाई हुई और जटिल



नई दिल्ली (ए) । अल-कायदा इन द सबकॉन्टिनेंट (एक्यूआईएस) के पाकिस्तान के सुरक्षा परिदृश्य में सक्रिय रूप से उतरने से इस्लामाबाद की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पाकिस्तान पहले से ही तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और बलूचिस्तान लिबरेशन फंट (बीएलएफ) जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे में एक्यूआईएस का टीटीपी के साथ खड़ा होना वहां के सुरक्षा हालात में एक नया आयाम जोड़ रहा है।जानकारी के मुताबिक, अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट के बीच लंबे समय से संघर्ष चल रहा है, लेकिन इस बार इसका केंद्र अफगानिस्तान के बजाय पाकिस्तान बन गया है। एक्यूआईएस अब तक पाकिस्तान और अफगानिस्तान में किसी अभियान को

अंजाम देने से दूर रहा था और पर्दे के पीछे से घटनाक्रम पर नजर रख रहा था। बताया जा रहा है कि पाकिस्तान द्वारा टीटीपी और बीएलए के खिलाफ इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रांत (आईएसकेपी) को इस्तेमाल करने की कोशिश के बाद एक्यूआईएस ने भी इस संघर्ष में उतरने का फैसला किया।एक अधिकारी के अनुसार, एक्यूआईएस के कई सदस्य पाकिस्तान में मौजूद हैं। अमेरिका की कार्रवाई के बाद बड़ी संख्या में अफगानिस्तान से बाहर किए जाने के बाद ये सदस्य पाकिस्तान के अलग-अलग हिस्सों में फैल गए थे। पिछले कई वर्षों से एक्यूआईएस का मुख्य फोकस डिजिटल प्रचार और नए सदस्यों की भर्ती पर रहा है। अधिकारी का कहना है कि लंबे अंतराल के बाद संगठन ने अब प्रत्यक्ष रूप से इस संघर्ष में शामिल होकर पाकिस्तानी प्रतिष्ठान को चुनौती देने का फैसला किया है।

इंटेलिजेंस ब्यूरो के एक अधिकारी ने बताया कि एक्यूआईएस अपने संदेश और प्रचार सामग्री अपने मीडिया विंग अल-सहाब मीडिया फाउंडेशन के जरिए जारी करता है। हाल के दिनों में इस मंच से पाकिस्तानी प्रतिष्ठान के खिलाफ टीटीपी के अभियानों का खुलकर समर्थन किया गया है। साथ ही एक्यूआईएस के सदस्यों से टीटीपी के साथ मिलकर पाकिस्तान के खिलाफ लड़ाई में बड़ी संख्या में शामिल होने का आह्वान किया जा रहा है।

एक अन्य अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तान की सुरक्षा स्थिति पहले ही काफी चुनौतीपूर्ण है। टीटीपी के हमलों से पाकिस्तानी सुरक्षा बलों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। वहीं बीएलए और बीएलएफ जैसे संगठनों ने भी पाकिस्तान के सुरक्षा प्रतिष्ठान को नुकसान पहुंचाया है।अधिकारी के मुताबिक, बीएलएफ ने हाल में दावा किया कि उसके महिला दस्ते ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के खिलाफ अपना पहला हमला किया। बीएलए का भी एक महिला विंग है और खुफिया आकलनों में इसे एक खतरनाक इकाई बताया गया है।

टीटीपी, बीएलए और बीएलएफ के हमलों से नुकसान उठाने के बाद पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने कथित तौर पर लश्कर-ए-तैयबा और आईएसकेपी को भी अपने साथ जोड़ने का फैसला किया। इससे पाकिस्तान की पहले से जटिल सुरक्षा स्थिति और उलझ गई। अधिकारियों के मुताबिक, इस घटनाक्रम से यह भी संकेत मिलता है कि पाकिस्तान अपने हितों के लिए प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों को साथ लेने को तैयार है।

बलूचिस्तान के कच्ची और केच जिले में बड़ी पाकिस्तानी सेना की गतिविधियां



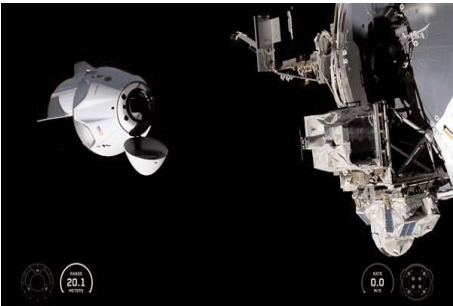
क्रेटा,(ए) । बलूचिस्तान के कच्ची और केच जिलों में पाकिस्तानी सेना की गतिविधियां बढ़ने की खबरें सामने आई हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, कच्ची जिले में लगातार दूसरे दिन भी सैन्य अभियान जारी है, जबकि केच जिले के टुम्प इलाके के पहाड़ी क्षेत्रों में सैनिकों की आवाजाही बढ़ी है।बलूचिस्तान की ऑनलाइन समाचार नेटवर्क द बलूचिस्तान पोस्ट ने स्थानीय सूत्रों के हवाले से बताया कि पाकिस्तानी सेना कच्ची, धादर और आसपास के क्षेत्रों में अभियान चला रही है। इस दौरान गनशिप हेलीकॉप्टर और ड्रोन के इस्तेमाल तथा कुछ इलाकों में गोलीबारी की आवाजें सुने जाने का दावा किया गया है। हालांकि, अधिकारियों

की ओर से अभियान की प्रकृति या किसी के हताहत होने को लेकर आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। सूत्रों ने दावा किया कि इससे एक दिन पहले कच्ची जिले के कुछ हिस्सों में पाकिस्तानी सेना और हथियारबंद लोगों के बीच झड़प हुई थी। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। इसी बीच, केच जिले के टुम्प क्षेत्र के गोमाजी, डेजिंग, मार और किर गांवों के आसपास भी सैन्य गतिविधियां बढ़ने की सूचना है।

नासा के स्पेसएक्स क्र-13 ने रचा इतिहास, महज 7:55 घंटे में आईएसएस पहुंचा ड्रैगन

वॉशिंगटन(ए.) । नासा का स्पेसएक्स क्र-13 मिशन गुरुवार को रिकॉर्ड समय में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पहुंच गया। स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान ने लॉन्च के महज 7 घंटे 55 मिनट बाद आईएसएस के हार्मनी मॉड्यूल के फॉरवर्ड पोर्ट पर सफलतापूर्वक डॉकिंग की। नासा के अनुसार, यह आईएसएस के इतिहास में किसी अमेरिकी अंतरिक्ष यान का सबसे तेज लॉन्च-टू-डॉकिंग समय है।

टुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू के मुताबिक, क्र-13 मिशन को लेकर स्पेसएक्स का फाल्कन-9 रॉकेट गुरुवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 11:10 बजे फ्लोरिडा के केप कैनावरल स्पेस फोर्स स्टेशन स्थित स्पेस लॉन्च कॉम्प्लेक्स-40 से रवाना हुआ। ड्रैगन अंतरिक्ष यान में नासा की अंतरिक्ष यात्री जेसिका वॉटकिंस और ल्यूक डेलानी, कनाडाई



अंतरिक्ष एजेंसी (सीएसए) के अंतरिक्ष यात्री जोशुआ कूट्रिक तथा रूस की रोस्कोस्मोस के कॉस्मोनॉट सर्गेई टेरेरियाटनिकोव सवार थे।लॉन्च के बाद फाल्कन-9 का पहला चरण दूसरे चरण से अलग हुआ और सफलतापूर्वक केप कैनावरल स्थित स्पेसएक्स के लैंडिंग जोन-40 में वापस उतरा। इसके बाद ड्रैगन अंतरिक्ष यान दूसरे चरण से अलग होकर अपनी कक्षा

में पहुंचा और आईएसएस की ओर बढ़ा।ड्रैगन ने शाम 7:05 बजे पर आईएसएस के हार्मनी मॉड्यूल के फॉरवर्ड पोर्ट से डॉकिंग की। नासा ने बताया कि लॉन्च से डॉकिंग तक कुल समय 7 घंटे 55 मिनट रहा, जो अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंचने वाला किसी अमेरिकी अंतरिक्ष यान का अब तक का सबसे तेज सफर है। डॉकिंग के बाद अंतरिक्ष यात्रियों ने आवश्यक लीक चेक और प्रेशराइजेशन प्रक्रियाएं पूरी कीं। इसके बाद रात 9:19 बजे पर ड्रैगन का हैच खोला गया और चारों अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के अंदर पहुंचे। क्र-13 अब आईएसएस पर मौजूद अभियान 75 दल में शामिल हो गया है। इस दल में नासा के जेसिका मीर, जैक हैथवे और अनिल मेनन, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी की सोफी एडेनोट तथा रोस्कोस्मोस के प्योत्र डुब्रोव, अन्ना किकिना और आंद्रेई फेड्याएव शामिल हैं।

आयुष्मान खुराना की ‘उड़ता तीर’ का ट्रेलर जारी, पाकिस्तानी जासूस की भूमिका में आए नजर

अभिनेता आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म ‘उड़ता तीर’ का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। धर्मा प्रोडक्शंस और सिब्खा एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी यह फिल्म तेज-तर्रार जासूसी हास्य-कथा है। फिल्म का निर्देशन आकाश ए. कौशिक ने किया है। फिल्म का पोस्टर जारी होने के बाद से ही इसे लेकर दर्शकों में उत्सुकता बनी हुई थी।फिल्म के ट्रेलर की शुरुआत आयुष्मान खुराना के किरदार से होती है, जो पाकिस्तानी जासूस बनकर भारत पहुंचता है। हालांकि, यहां एक हादसे के बाद उसकी याददाश्त चली जाती है। इसके बाद वह खुद को भारतीय देशभक्त समझने लगता है। कहानी यहीं से हास्य और रोमांच से भरे मोड़ लेती है।

ट्रेलर में जासूसी, हास्य और दोनों देशों से जुड़े घटनाक्रम को मनोरंजक अंदाज में पेश किया गया है। आयुष्मान का किरदार अपनी असली पहचान से अनजान होकर ऐसी परिस्थितियों में फंस जाता है, जिनसे कहानी में हास्य के साथ-साथ रोमांच भी पैदा होता है।

क्या आप आइसक्रीम खा रहे हैं या पाम ऑयल डेजर्ट ? इन तरीकों से जानें



आइसक्रीम और पाम ऑयल डेजर्ट, दोनों ही ठंडे और मीठे होते हैं। हालांकि, इनके बीच का फर्क समझना जरूरी है। पाम ऑयल डेजर्ट में अक्सर तेल का इस्तेमाल होता है, जो सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इसे खाने से पेट को कई समस्याएं बढ़ सकती हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिनसे आप आइसक्रीम और पाम ऑयल डेजर्ट के बीच फर्क समझ सकते हैं और सुरक्षित विकल्प चुन सकते हैं।

लेबल ध्यान से पढ़ें

जब आप किसी पैकेज्ड मिठाई को खरीदने जाएं तो सबसे पहले उसका लेबल ध्यान से पढ़ें। अगर उसमें पाम ऑयल का जिक्र हो तो उसे न खरीदें।

ऑइसक्रीम में आमतौर पर दूध, क्रीम, चीनी और फ्लेवर होते हैं, जबकि पाम ऑयल डेजर्ट में पाम

ऑयल का इस्तेमाल होता है।पाम ऑयल एक प्रकार का तेल है, जो सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। इसलिए, लेबल पढ़कर ही खरीदारी करें।

बनावट और स्वाद पर गौर करें

आइसक्रीम की बनावट आमतौर पर चिकनी और मलाईदार होती है, जबकि पाम ऑयल डेजर्ट को बनावट तैलीय और भारी हो सकती है।

अगर आपको किसी आइसक्रीम की बनावट तैलीय लगती है तो समझ जाइए कि वह पाम ऑयल डेजर्ट हो सकता है। आइसक्रीम का स्वाद हमेशा चिकनी और मलाईदार होता है, जिससे पता चलता है कि यह ताजा सामग्री से बनती है।

इसलिए, हमेशा बनावट और स्वाद पर गौर करें और तैलीय बनावट वाली आइसक्रीम को न खरीदें।

सेहत पर असर जानें

पाम ऑयल डेजर्ट सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं, क्योंकि इनमें ट्रांस फैट होते हैं, जो दिल की बीमारियों का कारण बन सकते हैं।

इसके अलावा ट्रांस फैट वजन बढ़ाने में भी योगदान देते हैं। आइसक्रीम में प्राकृतिक चीजें होती हैं, जो सेहत के लिए सुरक्षित होती हैं।

इसलिए, हमेशा पैकेज्ड आइसक्रीम खरीदते समय उनकी सामग्री सूची को ध्यान से देखें और ट्रांस फैट वाले उत्पादों से दूर रहें।

खरीदारी करते समय सावधानी बरतें

बाजार या दुकान पर खरीदारी करते समय भी सावधानी बरतनी बेहद जरूरी होती है। कुछ लोग कम कीमत या आकर्षक पैकेजिंग देखकर पाम ऑयल डेजर्ट खरीद लेते हैं, जो गलत साबित हो सकता है।

हमेशा गुणवत्ता और सेहत पर ध्यान दें और उसके हिसाब से ही चुनाव करें। इस तरह से आप आसानी से जान सकते हैं कि आप आइसक्रीम खा रहे हैं या पाम ऑयल डेजर्ट और सुरक्षित विकल्प चुन सकते हैं।

मनोरंजन

चुंबक में महिलाएं सिर्फ सपोर्टिंग कैरेक्टर्स नहीं हैं : संदीपा धर

दीपा धर ने हाल ही में बताया कि उन्हें आकर्षित कर रही थी। एक्स्ट्रेस के से पेश किया गया है, वह इसकी सीरीज कॉमेडी के उस आम पुरुष किरदारों को ज्यादातर महिलाओं को सिर्फ सपोर्टिंग शो को चुनने के अपने संदीपा ने कहा, मैं इस शो को क्योंकि इसमें महिलाओं को नहीं दिखाया गया है। आमतौर सारे कॉमिक पार्ट्स होते हैं, कैरेक्टर्स होती हैं। लेकिन यहां हेली शाह द्वारा निभाए गए देते हुए शो के महिला किरदारों को तारीफ की।

संदीपा ने कहा, यहां हमारे पास में सबसे अव्वल है। इसके अलावा एक्स्ट्रेस ने करने के लिए किए गए प्रयास की भी सराहना की है। उन्होंने कहा, हम महिलाओं को सिर्फ बैठकर खाना बनाते या पुरुषों को खाना परोसते हुए नहीं दिखा रहे हैं। दरअसल, आतिश ने यह बहुत सोच-समझकर किया है। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि हम पारंपरिक जेंडर रोल्स को फॉलो न करें।



‘चुंबक’ का हिस्सा बनने के लिए क्या चीज मुताबिक, शो में महिलाओं को जिस तरह खासियतों में से एक है। उनके लिए यह फॉर्मेट से अलग है, जहां अक्सर कॉमिक मोमेंट्स मिलते हैं, जबकि रोल्स तक सीमित रखा जाता है। फैसले के बारे में बात करते हुए लेकर इसलिए उत्साहित थी स्टोरियो टाइपिकल तरीके से पर कॉमेडी में पुरुषों के पास जबकि महिलाएं सिर्फ सपोर्टिंग ऐसा बिल्कुल नहीं है। उन्होंने दिवंकल के किरदार का उदाहरण लेकर किए गए इस अलग नजरिए की

दिवंकल (हेली शाह) हैं, जिनकी कॉमेडी शो पारंपरिक जेंडर रोल्स से हटकर किरदारों को पेश करने में हमेशा याद रखूंगी। अभिनेत्री ने फैस का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, वापस आकर मुझे एहसास हुआ कि आपका प्यार और सपोर्ट मेरे लिए कितना मायने रखता है। उन सभी लोगों का शुक्रिया जिन्होंने मेरा साथ दिया, मुझ पर भरोसा किया, मेरे लिए तालियां बजाई और उन लोगों का भी शुक्रिया जिन्होंने मुझे सपोर्ट नहीं किया।अभिनेत्री ने आगे लिखा, मैं हर राय, मेसेज और ईसान की आभारी हूं जो किसी भी तरह से इस सफर का हिस्सा बना। पिछले कुछ हफ्ते मेरे लिए आसान नहीं थे, मेरे इमोशनल ब्रेकडाउन हुए, ऐसे पल आए जब मैं खुद को ठीक से एक्सप्रेस नहीं कर पाई और ऐसे पल भी आए, जहां मैं वैसी नहीं दिख पाई जैसी मैं दिखना चाहती थी।



लंबे समय तक बैठे रहने, कंथा जकड़े रहने और पैरों में खिंचाव आम हो गया है। ऐसे में योग सिर्फ शरीर को मोड़ने का नाम नहीं है, बल्कि खुद से जुड़ने का एक जरिया है। ऐसे ही योग पद्धति में ऊर्ध्वमुख पश्चिमोत्तानासन सबसे शरीर की जकड़न् खोलने, पाचन तंत्र को बेहतर बनाने समेत कई शारीरिक स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं का समाधान है। ऊर्ध्वमुख पश्चिमोत्तानासन तीन शब्दों से मिलकर बना है,

ऊर्ध्व मुख का अर्थ है ऊपर की तरफ चेहरा, पश्चिम का अर्थ होता है शरीर का पिछला हिस्सा, उत्तान का अर्थ होता है, गहरा खिंचाव और आसन की अर्थ मुद्रा। इस आसन को अंग्रेजी में अपवर्ड फेंसिंग इटेंस वेस्ट स्ट्रेच कहते हैं। इस आसन में आप उभय पादांगुष्ठान की तरह पैर के अंगूठों को पकड़कर बैलेंस बनाते हैं और साथ ही धड़ को आगे की तरफ पैरों की ओर झुकाते हैं। यह आसन अष्टांग योग की

बिग बॉस 20 से बाहर आते ही इमोशनल हुई ईशा रिस्ती, फैस से बोलीं-इमोशनल ब्रेकडाउन हुए

अभिनेत्री ईशा रिखी बिग बॉस – 20 के घर से बाहर आ गई हैं। अभिनेत्री ने अपने फैस और सपोर्टर्स का शुक्रिया अदा किया। अभिनेत्री ने घर के अंदर बिताए अपने समय को याद किया और बताया कि यह सफर कई तरह के इमोशन से भरा रहा, जिसमें कई बार उन्हें अपनी भावनाएं व्यक्त करने में भी दिक्कत हुई। ईशा रिखी ने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने उन लोगों का शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने इस मुश्किल और चुनौती भरे सफर में उनका साथ दिया। अभिनेत्री ने लिखा, बिग बॉस के घर में तीन हफ्ते, इतने सारे इमोशन्स, अनुभव, चुनैतियों, हंसी, आंसुओं और यादों से भरे हफ्ते, जिन्हें मैं हमेशा याद रखूंगी। अभिनेत्री ने फैस का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, वापस आकर मुझे एहसास हुआ कि आपका प्यार और सपोर्ट मेरे लिए कितना मायने रखता है। उन सभी लोगों का शुक्रिया जिन्होंने मेरा साथ दिया, मुझ पर भरोसा किया, मेरे लिए तालियां बजाई और उन लोगों का भी शुक्रिया जिन्होंने मुझे सपोर्ट नहीं किया।अभिनेत्री ने आगे लिखा, मैं हर राय, मेसेज और ईसान की आभारी हूं जो किसी भी तरह से इस सफर का हिस्सा बना। पिछले कुछ हफ्ते मेरे लिए आसान नहीं थे, मेरे इमोशनल ब्रेकडाउन हुए, ऐसे पल आए जब मैं खुद को ठीक से एक्सप्रेस नहीं कर पाई और ऐसे पल भी आए, जहां मैं वैसी नहीं दिख पाई जैसी मैं दिखना चाहती थी।



माता महालक्ष्मी का व्रत आज

परिवार में सुख समृद्धि के लिए आज महिलाएं करेंगी माता महालक्ष्मी की पूजन और व्रत हाथी पर सवार देवी महालक्ष्मी की पूजन और पकवानों से होगा श्रृंगार



रश्मि गौड़ शर्मा,

नर्मदापुरम। त्रेता युग से चली आ रही माता महालक्ष्मी के व्रत की परंपरा के तहत आज आश्विन माह की शुक्ल पक्ष की अष्टमी के अवसर पर परिवार में सुख समृद्धि के लिए शनिवार को महिलाएं माता महालक्ष्मी का व्रत रखेंगी। भादों माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी से यह व्रत प्रारंभ होता है। 16 दिनों तक चलने वाले महालक्ष्मी व्रत का समापन आज होगा है। इस व्रत में 16 दिनों तक व्रत और देवी लक्ष्मी की पूजा का विधान है। महालक्ष्मी व्रत आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को होता। पंडितों के अनुसार महालक्ष्मी व्रत रखने पर घर में सुख-समृद्धि और ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। व्रत रखने वाली श्रीमती राधा रावत, बीना मिश्रा, व राजबाला त्रिपाठी ने बताया कि अधिकतर विवाहित महिलाएं 16 दिनों तक व्रत रखती हैं। जो महिलाएं अगर 16 दिन तक व्रत नहीं रख पाती वे 3 तीन या फिर आखिरी दिन व्रत रखती हैं। जो महिलाएं इस व्रत को करती हैं वे इस दिन अन्न ग्रहण नहीं करती। इस दिन हाथी पर सवार देवी लक्ष्मीजी की पूजन की जाती है। प्रायः अधिकांश

वृत्धारी महिलाएं समूह में मिल कर किसी एक घर में महालक्ष्मी की पूजन अर्चन और आरती करती हैं।

व्यंजनों से किया जाता है श्रृंगार

श्रीमती रावत, श्रीमती मिश्रा व श्रीमती त्रिपाठी ने बताया कि माता लक्ष्मी के वाहन हाथी और देवी लक्ष्मी का श्रृंगार वृत्धारी महिलाएं अपने घर में ही बेसन, आटा और मैदे से बने तमाम व्यंजनों से करती हैं। पपडिया, खकरिया, सकलगाड़ें, खुरमें बतिया आदि देशी व्यंजन बनाए जाते हैं। इनमें से अनेक व्यंजनों का भोग भी लगाया जाता है। हाथी का श्रृंगार किया जाता है। इन देशी पकवानों का प्रसाद भी बांटा जाता है।

16 दिनों में सबसे शुभ दिन

पं अभिलाष शर्मा ने कहा कि श्राद्धपक्ष को कड़े दिन भी कहा जाता है। क्योंकि इस दौरान लोग अपने पुरखों अर्थात पूर्वजों को याद करते हैं उनका तर्पण भी करते हैं। इसी कारण लोग श्राद्ध पक्ष में नई चीजों की खरीददारी नहीं करते है। लेकिन कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि की महालक्ष्मी पूजा पर यह दिन शुभ माना गया है। इस तिथि को माता लक्ष्मी जी का

विशेष वरदान मिला हुआ है। कहा जाता है कि इस दिन सोना खरीदने का विशेष महत्व है। क्योंकि माता महालक्ष्मी का दिन रहता है। ऐसी मान्यता है इस दिन खरीदा गया सोना आठ गुना बढ़ता है और जीवन मे सुख-समृद्धि प्राप्त करने के लिए हाथी पर सवार माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है। यह दिन 16 दिनों में सबसे ज्यादा शुभ माना जाता है।

60 से 100 रुपये में बिक रही हैं प्रतिमाएं

हाथी पर सवार माता महालक्ष्मी की प्रतिमा 75 से लेकर 125 रुपये में बिक रही है। शहर के सतरस्ता और अन्य स्थानों पर महालक्ष्मी व्रत में पूजन के लिए लोग प्रतिमा खरीद रहे हैं। मिट्टी से बनी बनी प्रतिमाएं ज्यादा लाई जा रही हैं।

महालक्ष्मी पूजा की विधि

महालक्ष्मी की पूजन की विधि के अनुसार स्नान के बाद पूजन स्थल पर सफाई की जानी चाहिए शुद्ध जल का छिड़काव करें। तदोपरांत एक चौकी पर लाल या पीला वस्त्र बिछाएं और माता लक्ष्मी की हाथी सहित मूर्ति या चित्र स्थापित करें। लक्ष्मी जी को गंगाजल या पंचामृत से स्नान कराएं। इसके बाद एक जल कलश में जल, सुपारी, हल्दी, अक्षत, कमल गद्दा और पंच पल्लव डालें। कलश पर नारियल रखें व चुनरी लपेटकर स्थापित करें।

गणेश जी और नवग्रहों का पूजन के बाद, महालक्ष्मी जी का श्रृंगार करें। लक्ष्मी जी को सोलह श्रृंगार की सामग्री चढ़ाएं। पकवान बनाकर उससे भी श्रृंगारित किया जाता है। इसके साथ ही कमल, दुर्वा, अक्षत, रोली, धूप, दीप, फल, मिठाई और दक्षिणा आदि अर्पित करें। अंत में लक्ष्मी जी की आरती करते हुए सुख-समृद्धि की कामना कर प्रार्थना करना चाहिए।

मंत्रों का जप

1. लक्ष्मी मूल मंत्र- श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्मी नमः
2. कुबेर अष्टलक्ष्मी मंत्र ह्रीं श्रीं क्रीं श्रीं कुबेराय अष्ट-लक्ष्मी मम गृहे धनं पुरय पुरय नमः
3. लक्ष्मी गायत्री मंत्र महालक्ष्म्यै विद्महे विष्णुप्रियायै धीमहि। तन्नो लक्ष्मी प्रचोदयात्
4. ऐं ह्रीं श्रीं अष्टलक्ष्मीयै ह्रीं सिद्ध्ये मम गृहे आच्छागच्छ नमः स्वाहा।
5. श्री महालक्ष्मी देव्यैः नमः। इन मंत्रों के जाप से निश्चित ही घर में सुख समृद्धि आती है।

स्वामित्व योजना के तहत पंजीयन कार्य में लाई जाए गति: कलेक्टर सोमेश मिश्रा

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा द्वारा शुक्रवार को ग्राम डोंगरवाड़ा में आयोजित स्वामित्व पंजीयन शिविर का विस्तृत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिविर में उपस्थित तहसीलदार एवं पटवारियों से अब तक किए गए पंजीयन कार्य, हितग्राहियों को लाभ वितरण की स्थिति तथा लंबित प्रकरणों के संबंध में बिंदुवार जानकारी प्राप्त की।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने शिविर में संघारित दस्तावेजों एवं अभिलेखों का गहन परीक्षण किया और साथ ही ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से प्रगति का अवलोकन भी किया। समीक्षा के दौरान प्रगति संतोषजनक न पाए जाने पर उन्होंने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि स्वामित्व योजना जैसी महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजना में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि शासन द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों एवं एसओपी का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित किया जाए और लक्ष्य के अनुरूप कार्य में तेजी लाई जाए। कलेक्टर ने सभी राजस्व अधिकारियों, पटवारियों एवं संबंधित अमले को निर्देशित करते हुए कहा कि शिविरों के माध्यम से अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ प्रदान किया जाए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि आगामी एक सप्ताह के भीतर प्रगति में अपेक्षित सुधार नहीं होता है, तो संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री मिश्रा ने महात्मा गांधी की जयंती (2 अक्टूबर) के अवसर पर आयोजित ग्राम सभा की तैयारियों एवं आयोजन की जानकारी भी जनपद सीईओ, सरपंच एवं सचिव से प्राप्त की। उन्होंने ग्रामसभा में प्राप्त प्रस्तावों का अवलोकन करते हुए विकास कार्यों से जुड़े सुझावों पर विस्तार से चर्चा की और प्रार्थमिकता के आधार पर कार्यों को नियमनुसार स्वीकृत करने एवं शीघ्र क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

शांति निकेतन में महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री का जन्मदिन मनाया गया

नर्मदापुरम(निप्र)। शांति निकेतन मांटेसरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री का जन्म दिवस शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया



गया। सर्वप्रथम शाला के प्राचार्य बिनिल कुमार ने महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर शाला प्राचार्य बिनिल कुमार ने गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री के जीवन पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी को अहिंसा एवं सत्य बोलने की प्रेरणा गांधीजी से लेनी चाहिए। गांधी जी के जन्म दिवस के अवसर पर प्राइमरी कक्षा के विद्यार्थी ने गांधी जी का रूप धर कर उनके विचारों को स्मरण किया तत्पश्चात गांधी जी की याद में शाला के विद्यार्थियों द्वारा शाला के संगीत शिक्षक अशोक सोनी के मार्गदर्शन में रघुपति राघव राजा राम भजन की प्रस्तुति दी गई। इस कार्यक्रम में मंच संचालन कक्षा ग्यारहवीं की छात्रा सृष्टि सिंह द्वारा किया गया। गांधी जयंती एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती के संपूर्ण कार्यक्रम को प्राचार्य बिनिल कुमार के मार्गदर्शन में शाला की शिक्षिका अर्पिता लक्ष्मण एवं रंजना लक्ष्मण द्वारा आयोजित किया गया।

सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता मंच ने नेहरू पार्क में मनाई महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती



नर्मदापुरम (निप्र)। सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता मंच के सदस्यों ने नेहरू पार्क में उपस्थित होकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया,जयंती के एक दिन पूर्व बैठक में स्वच्छता कार्यक्रम मनाने का निर्णय लिया गया जिसकी अध्यक्षता पूर्व विधायक गिरजाशंकर शर्मा ने की, कार्यक्रम का शुरुआत में दोनों महापुरुषों के चित्र पर पुष्प अर्पण किए गए, मंच के संरक्षक केएस राजपूत, अध्यक्ष अरण दीक्षित, कार्यवाहक अध्यक्ष मोहम्मद अकरम खान, लाखन रघुवंशी, पिता विलियम मसीह, केएन त्रिपाठी, ललित मोहन यादव, मोहम्मद आदिल फाजली, जयबाला निगम और डॉ. मयंक तोमर ने दोनों महान विभूतियों के जीवन- देश के लिए त्याग पर अपने विचार व्यक्त किये,कार्यक्रम में अशोक दिवोलिया, केके शर्मा, महेश शर्मा रमेश गोपालानी, रमेश सोनी, जयशंकर तिवारी, बद्री प्रसाद कोरव एवं डॉ.बलदेव यादव आदि सदस्य उपस्थित थे। संचालन डॉ.मयंक तोमर ने किया।

जो भक्त के पापों का हरण कर लेते है वहीं हरि हैं : आचार्य अविनाश मिश्रा

सोहागपुर (निप्र)। वाटिका गार्डन में महर्षि याज्ञवल्क्य स्मनातन कल्याण समिति द्वारा आयोजित पितृ देवों को समर्पित श्री मद् भागवत कथा के छठवें दिन व्यासपीठ से आचार्य पंडित अविनाश मिश्रा ने कहा कि सर्वेश्वर भगवान श्रीकृष्ण ने ब्रज में अनेकानेक बाल लीलाएं कीं, जो वात्सल्य भाव के उपासकों के चित्त को अनायास ही आकर्षित करती हैं। जो भक्तों के पापों का हरण कर लेते हैं, वही हरि हैं। उन्होंने गोपीजनों के साथ भगवान की श्रेष्ठतम महारास लीला का सुंदर वर्णन किया वहीं जीवंत झांकी के माध्यम से महारास का सजीव चित्रण भी किया जिस पर उपस्थित श्रोता गणों ने भी महारास में शामिल होकर खूब आनंद लिया। उन्होंने बताया कि रास तो जीव का परब्रह्म ईश्वर के साथ मिलन की कथा है। आस्था और विश्वास के साथ भगवत प्राप्ति का फल प्राप्त होता है तो उसे रास कहा जाता है। कथा प्रसंग में कंस द्वारा अक्रूर के माध्यम से कृष्ण बलराम को धनुष यज्ञ के बहाने मथुरा बुलाकर छल पूर्वक भगवान की हत्या का षडयंत्र करना और अंत में भगवान कृष्ण द्वारा केश पकड़कर कंस को परम गति प्रदान की गई महाराज उग्रसेन देवकी बसुदेव जी को कारागृह से मुक्त करने के बाद जरासंध से मथुरा वासियों का अनेक बार संघर्ष के बाद प्रभु का द्वारिकापुरी प्रस्थान हुआ।आचार्य श्री मिश्रा ने कृतनूपुर की राजकुमारी रुक्मणी के स्वयंवर और हरण का प्रसंग विस्तार से बताया इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणी के विवाह की झांकी ने सभी भक्तों को खूब आनंदित किया। वही ढोल ढमाकों और आतिशबाजी के साथ भगवान की बारात निकाली गई।आचार्य मिश्रा ने कहा कि जो भक्त ईश्वर तप में आनंदित होते हैं और श्रीकृष्ण तथा रुक्मिणी के विवाह में शामिल होते हैं, उनकी समस्या हमेशा के लिए समाप्त हो जाती है।

श्री मिश्रा ने कहा जब जीव में अभिमान आता है, भगवान उनसे दूर हो जाता है। लेकिन जब कोई भगवान को न पाकर विरह में होता है तो श्रीकृष्ण उस पर अनुग्रह करते हैं, उसे दर्शन देते हैं। भगवान श्रीकृष्ण के विवाह प्रसंग को सुनाते हुए बताया कि भगवान श्रीकृष्ण का प्रथम विवाह राजा भीष्मक की पुत्री रुक्मणि के साथ संपन्न हुआ। लेकिन रुक्मणि को श्रीकृष्ण द्वारा हरण कर विवाह किया गया। इस कथा में समझाया गया कि रुक्मणि स्वयं साक्षात लक्ष्मी हैं और वह नारायण से दूर रह ही नहीं सकती। यदि जीव अपने धन अर्थात लक्ष्मी को भगवान के काम में लगाए तो ठीक नहीं तो फिर वह धन चोरी द्वारा, बीमारी द्वारा या अन्य मार्ग से हरण हो ही जाता है। धन को परमार्थ में लगाना चाहिए और जब कोई लक्ष्मी नारायण को पूजता है या उनकी सेवा करता है तो उन्हें भगवान की पूजा स्वतः ही प्राप्त हो जाती है। श्रीकृष्ण भगवान व रुक्मणि के अतिरिक्त अन्य विवाहों का भी वर्णन किया गया। फूल होली के शानदार उत्सव ने श्रोताओं को मुग्ध कर लिया। आचार्य श्री ने पितृ तर्पण को लेकर अनेक बातों को मिथक बताते हुए स्पष्ट किया कि हम जब तक सक्षम हैं तब तक पितृ तर्पण करना ही चाहिए पंचवली भी निकालनी चाहिए प्रयागराज ,काशी ,हरिद्वार ,गया जी ,बद्रीनाथ ब्रह्म कपाली यह पांच स्थान पिंडदान के लिए आवश्यक बताए गए हैं और इन पांचों स्थान पर तर्पण पिंड दान के पश्चात भी पितरों की



कृपा के लिए किसी भी सनातनी को बिना किसी भ्रम के पितृ पक्ष में तर्पण करना ही चाहिए तत्पश्चात पितृ स्तुति, हरि नाम संकीर्तन के साथ कथा को विराम दिया गया। पूर्व विधायक हरि शंकर जायसवाल, राजो मालवीय,संतोष मालवीय, हंसराय, नागेंद्र तिवारी, मुकेश नागर, गजेन्द्र मालवीय गोविंद दुबे, चंद्र गोपाल भार्गव, शंभु सोनकिया, नीतीश मालवीय, ललित पुरवइया, संजय खंडेलवाल, प्रशांत मालवीय , धनराज तिवारी, मेहरबान सिंह, बालपुरी गोस्वामी साहस सिंह पटेल सुकेश राय,अनिल यादव, शिवकुमार पटेल , अखिलेश मालवीय,रितेंद्र राजपूत, आनंद साहू, शरद चौरसिया,भरत मालवीयराजेंद्र सिंह चौधरी, कन्नूलाल अग्रवाल,विजय अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण उपस्थित थे।

पीएम स्वनिधि योजना बनी छोटे व्यापारियों के सपनों की संजीवनी, दीपक कुशवाहा को मिला 15 हजार रुपए का ऋण, चाट-फुल्की व्यवसाय को मिली नई रस्ता

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना छोटे एवं फुटपाथ व्यापारियों के लिए आर्थिक संबल का प्रभावी माध्यम बन रही है। योजना के माध्यम से कार्यशील पूंजी के लिए ऋण सहायता उपलब्ध होने से छोटे व्यापारी अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं।

इटारसी के चाट-फुल्की विक्रेता दीपक कुशवाहा को भी प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत 15 हजार रुपए की ऋण सहायता प्राप्त हुई है। इस आर्थिक सहायता से उन्हें अपने चाट-फुल्की व्यवसाय के लिए आवश्यक पूंजी उपलब्ध हुई। ऋण राशि का उपयोग उन्होंने व्यवसाय के लिए आवश्यक सामग्री की खरीदी एवं कारोबार को बेहतर तरीके से संचालित करने में किया। योजना से मिली आर्थिक सहायता ने उनके छोटे व्यवसाय को मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दीपक कुशवाहा बताते हैं कि छोटे व्यापारियों के लिए कारोबार को निरंतर चलाने और बढ़ाने के लिए पूंजी की आवश्यकता रहती है। ऐसे में पीएम स्वनिधि योजना के तहत मिला 15 हजार रुपए का ऋण उनके लिए काफी उपयोगी साबित हुआ।

सांसद माया नारोलिया की उपस्थिति में हुआ ‘मेरी कहानी, मेरी सफलता’ संवाद कार्यक्रम



बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक दीप्ति शुक्ला ने परिचयात्मक उद्बोधन देते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

लाभार्थियों ने साझा किए अनुभव

संवाद के दौरान विभागीय योजनाओं से लाभान्वित महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि शासकीय योजनाओं और आंगनबाड़ी सेवाओं से उन्हें और उनके बच्चों के स्वास्थ्य व पोषण में किस तरह लाभ मिला। इस दौरान महिलाओं को पोषण, स्वास्थ्य तथा महिला-बाल कल्याण से जुड़ी जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी सरल भाषा में दी गई।

पोषण प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र

राष्ट्रीय पोषण माह 09 सितंबर से 09 अक्टूबर के तहत कार्यक्रम स्थल पर विशेष पोषण प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी में संतुलित आहार, मातृ एवं शिशु पोषण, एनीमिया से बचाव और स्वस्थ जीवनशैली से संबंधित जानकारी प्रदर्शित की गई। पोषण थीम पर सजे आंगनबाड़ी केंद्र का सांसद माया नारोलिया एवं जनप्रतिनिधियों ने अवलोकन कर कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना की।

स्वलाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एवं व्यूयों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से सुदृढित तथा ‘‘शिवगान्ी भवन’’,क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।

स्थानीय व्यूयों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425205999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल – dainikkshitiijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitiijkiran.com